SAUYOGYA COLLEGE OF LAW

Affiliated to Lucknow University

Mob. 9415010053 | E-Mail: rahulsensaxena@gmail.com

Ref: Letter/LU/05

Date: 27.07.2026

OFFICE OF THE REGISTRAR
28 JUL 2026
No. 8139
LUCKNOW UNIVERSITY

सेवा में
कुल सचिव
लखनऊ विश्वविद्यालय
लखनऊ

विषय - **सौयोग्य कॉलेज आफ ला सिधौली सीतापुर में रिक्त पदों हेतु विज्ञापन विश्वविद्यालय की वेबसाइड पर अपलोड करने हेतु**

महोदय

सौयोग्य कॉलेज आफ ला सिधौली सीतापुर के एल एल बी पंच वर्षीय एवं एल एल बी त्रि वर्षीय पाठ्यक्रम में रिक्त, विभिन्न विषयों के लिए सहायक आचार्यों की भर्ती हेतु अमर उजाला दैनिक अखवार में लखनऊ, सीतापुर/लखीमपुर एवं हरदोई में विज्ञापन प्रकाशित करवा दिया गया है।

अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त विज्ञापन को विश्वविद्यालय की वेबसाइड पर अपलोड करने की कृपा करें।
धन्यवाद

संलग्नक
1 विज्ञापन की प्रमाणित रंगीन छाया प्रति

भवदीय
राहुल सेन सक्सेना
प्रबंधक
सौयोग्य कॉलेज आफ ला सिधौली सीतापुर

Manager
Saoyogya College of Law
Lahuriban, Sitapur

इंचार्ज (वेबसाइट)
28/7/26

फैसला लेना पड़ा। यह शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही का संदेश है। - सुजाता, छात्रा

...और एकजुटता का ही नतीजा है कि सरकार को झुकना उठाना पड़ा। - सोनी कुमारी, छात्रा

...अनिकेत, मनीष पासवान, शांती देवी निवासी कांशीराम कालोनी लौलाई और पूनम, वकार हुसैन, राजी सईद, अख्तर, नाजुक जहां के घरों हो रही थी। (माई सिटी रिपोर्टर)

...क ऑवर में रहा दबाव

इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे पर यातायात दबाव। संवाद

...र्जन। संवाद

यातायात संभालती पुलिस। संवाद

...यातायात निरीक्षक उदय प्रताप सिंह ने बताया कि ...स मोड़ को संवेदनशील बिंदु चिह्नित किया गया ...ल तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि यातायात ...आने वाली कमियों का आकलन कर सुधार किए ...म-राम बैंक की दिशा में निकाला जा रहा है।

...मानों का बनाया केसीसी

...निजी बैंकों का ना...

...शिविर भी नहीं लगे

...डीएफसी, आईडीबीआई, ...ने एक भी किसान का क्रेडिट कार्ड नहीं ...ण भी नहीं किया।

...नें

...जी जरूरतों और पशुपालन आदि के लिए ...याज दर सात फीसद है। समय से ...जाती है। इस तरह किसान को सिर्फ ...ता है। यह पांच वर्ष के लिए होता है।

...सी

...र्ड

...18

"केसीसी अभियान का प्रचार-प्रसार भी कराया गया था। सार्वजनिक व निजी सभी क्षेत्र की बैंकों को केसीसी जारी करना चाहिए था। अभियान की रिपोर्ट मांगी है।

- विनय कौशल, उप निदेशक कृषि

...किसानों का केसीसी बनाया है। सेंट्रल बैंक ...ऑफ इंडिया ने दो और इंडियन बैंक ने तीन ...केसीसी जारी किए। (संवाद)

AKASH ENCLAVE SOCIETY

Tender Notice

Sealed tender in " Two envelope bid system" is invited from reputed vendors for following service in Akash Enclave Society, Sector-6A, Vrindavan Yojna, Lucknow Brief details are shown below:

Item	Cost of bidding document (Rs.)	EMD Amount	Period of purchasing document	Period of submitting the bid.	Bid opening date and time
Security Services	5000/-	3% of The Contract Value	27-07-2026 To 02-08-2026	03-08-2026 To 09-08-2026	16 th Aug 2026 12.30 p.m.

Secretary

SauYogya College of Law

SAUYOGYA

Affiliated to Lucknow University

आवश्यकता है

सहायक आचार्यों के रिक्त पदों हेतु एल.एल.बी. 3 वर्षीय एवं एल.एल.बी. 5 वर्षीय पाठ्यक्रमों में अंग्रेजी, समाज शास्त्र, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान तथा राजनीतिक शास्त्र एवं लॉ विषयों हेतु स्ववित्त पोषित योजना के अन्तर्गत संविदा के आधार पर नियुक्ति हेतु यू.जी.सी. द्वारा निर्धारित योग्यता धारी प्रवक्ताओं की। आवेदन पत्र, 2 फोटो, समस्त शैक्षिक योग्यताओं की प्रमाणित छाया प्रतियों सहित दिनांक 02.08.2026 तक कार्यालय में प्रस्तुत करें।

प्रबंधक-सौयोग्य कालेज आफ लॉ, मो.नं. 9451689274

लहरीबाग इटौंजा टोल, अवस्थी ढाबा के पीछे, सिधौली सीतापुर

Manager
Sauyogya College of Law
Lahuribagh, Sitapur

आंतों की गैस: सिर्फ हवा नहीं, आपकी सेहत का आईना !

गैस कहाँ से बनती है?

आंतों में गैस मुख्यतः भोजन के पाचन और आंतों के लाभकारी बैक्टीरिया (Gut Microbiome) द्वारा बनने वाली प्राकृतिक प्रक्रिया का परिणाम है। बोलने, खाने और पीने के दौरान हम कुछ हवा निगलते भी हैं जो पेट और आंतों में गैस बनाता है। इसे Aerophagia भी कहते हैं।

प्रमुख गैसें

कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2), हाइड्रोजन (H_2), मीथेन (CH4), हाइड्रोजन सल्फाइड (H2S)

हर गैस का शरीर पर अलग प्रभाव होता है।

क्या गैस हमेशा बीमारी का संकेत है?

नहीं। कुछ मात्रा में गैस बनना सामान्य है। समस्या तब होती है जबः गैस अत्यधिक बने, पेट फूलने लगे, दर्द या ऐंठन हो, डकार या पाद अत्यधिक आए, कब्ज या दस्त के साथ गैस की समस्या हो

गैस और आंतों के बैक्टीरिया

आपकी आंतों में रहने वाले सूक्ष्मजीव तय करते हैं कि कितनी और किस प्रकार की गैस बनेगी। यही कारण है कि एक ही भोजन अलग-अलग लोगों में अलग प्रतिक्रिया देता है।

गैस किन बीमारियों से जुड़ी हो सकती है?

इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम (IBS), छोटी आंत में बैक्टीरिया की अधिकता (SIBO), लैक्टोज असहिष्णुता, सीलिएक रोग (Celiac Disease) एवं कुछ मामलों में IBD

गैस की जाँच कैसे होती है?

ब्रीथ टेस्ट (Hydrogen/Methane Breath Test) आधुनिक गैस-सेंसिंग कैप्सूल जैसी नई तकनीकें भविष्य में अधिक सटीक जानकारी दे सकती हैं।

गैस कम करने के वैज्ञानिक उपाय

- धीरे-धीरे भोजन करें और अच्छी तरह चबाएँ।
- आवश्यकता होने पर चिकित्सकीय सलाह से Low-FODMAP डाइट अपनाएँ।
- नियमित व्यायाम करें। खाने के बाद कुछ देर जरूर टहलें।
- कब्ज का उचित उपचार कराएँ।
- Chewing gum, Carbonated Drinks से परहेज करें।

गैस की दवा का प्रयोग बिना सलाह के न करें।

याद रखें

"हर गैस बीमारी नहीं होती, लेकिन लगातार गैस, पेट फूलना या दर्द आपके पाचन तंत्र का महत्वपूर्ण संकेत हो सकता है। सही कारण की पहचान और सही आहार ही सबसे प्रभावी उपचार है।

-डॉ पीयूष ठाकुर
(डी. एम. गैस्ट्रोएंट्रॉलजी)
जीवक गैस्ट्रो लीवर क्लिनिक
इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के सामने सुल्तानपुर रोड, अहिमामऊ, लखनऊ।
Call/whatsapp for appointment: 8369157814

A MEDIA SOLUTION INITIATIVE